।। श्रीहरिः ।।

जगद्गुरु श्रीमद्वल्लभाचार्य के सम्प्रदाय प्रमाण

उत्सव तथा व्रतन की दीप

विक्रम संवत् २०७६ परिधावी नाम संवत्सरे ई. स. 2019-2020

श्री वल्लभाब्द ५४१ - ५४२ शालिवाहन शके १९४१ विकारी नाम संवत्सरे

जगद्गुरु श्रीमद्वल्लभाचार्य प्रधानपीठस्थित

आचार्यवर्य्य गोस्वामि तिलकायित

श्री १०८ श्री इन्द्रदमनजी (श्री राकेशजी) महाराज की आज्ञासूं प्रकाशित

प्रकाशक : विद्याविभागाध्यक्ष, मन्दिर मण्डल, श्री नाथद्वारा

Shreenathji-Nathdwara

वल्लभाब्द ५४१	चैत्र शुक्लपक्षः	विक्रमाब्द २०७६

तिथि	वार	दि.	उत्सव
१	शनि	6	इष्टिः। अप्रेल, सन् 2019 संवत्सरोत्सवः।
२	रवि	7	
३	सोम	8	गणगौरी। (चूंदड़ी गणगौर)
४	मंगल	9	पंचरंगी लहरियाँ (हरिगणगौर)
५	बुध	10	गुलाबी गणगौर
६	गुरु	11	श्री गुसांईजी के छट्टेलालजी श्री यदुनाथजी को उत्सव। (१६१५) केसरी गणगौर एवं यमुना छट्ठ।
७	शुक्र	12	
८	शनि	13	
९	रवि	14	रामनवमी व्रतम्। मेष संक्रान्ति। सतुआ उत्थापन अथवा भोग में पुण्यकाल प्रातः १० बजके १० मिनिट से सायं ६ बजके १० मिनिट पर्यन्त। तामे भी संक्रान्ति के पास के दो घण्टा अति मुख्य पुण्यकाल है। अबके यः संक्रान्ति ९ रवि कूं दोपहर २ बजके १० मिनिट पर बैठे है। तासूं पुण्यकाल आज गान्यो जायेगो। श्रीकूं भोग धरे पीछे दान श्राद्धादि करने।
१०	सोम	15	रामनवमी व्रत की पारणा प्रातः ७ बजके ९ मिनिट पूर्व श्री वल्लभाचार्य चरण के उत्सव की बधाई। एकादशी का क्षय होयवे सूं आज।
१२	मंगल	16	कामदा एकादशी व्रतम्।
१३	बुध	17	
१४	गुरु	18	
१५	शुक्र	19	

Shreenathji-Nathdwara

वल्लभाब्द ५४१	वैशाख (गु. चैत्र) कृष्णपक्षः		विक्रमाब्द २०७६
तिथि	वार	दि.	उत्सव
१	शनि	20	इष्टिः।
२	रवि	21	
३	सोम	22	
४	मंगल	23	
५	बुध	24	
६	गुरु	25	
७	शुक्र	26	श्री विट्ठलनाथजी को पाटोत्सव।
८	शनि	27	
९	रवि	28	
१०	सोम	29	पांच स्वरूप श्री उत्सव नित्य लीलास्थ गोस्वामि तिलकायित श्री १०८ श्री गोवर्द्धनलालजी महाराज कृत।
११	मंगल	30	वरूथिनी एकादशी व्रतम्। श्री वल्लभाचार्यजी (श्री महाप्रभुजी) को उत्सव। (१५३५) श्री वल्लभाब्द ५४२ को प्रारम्भ।
१२	बुध	1	मई।
१३	गुरु	2	
१४	शुक्र	3	
३०	शनि	4	

Shreenathji-Nathdwara

वल्लभाब्द ५४२			वैशाख शुक्लपक्षः विक्रमाब्द २०७६
तिथि	वार	दि.	उत्सव
१	रवि	5	इष्टिः।
२	सोम	6	
३	मंगल	7	अक्षय तृतीया चन्दन यात्रा त्रेतायुगादि जलकुम्भदानम्।
४	बुध	8	
५	गुरु	9	
६	शुक्र	10	
७	शनि	11	तिलकायित श्री लालगिरधारीजी महाराज को उत्सव (१६९०)
८	रवि	12	
९	सोम	13	
१०	मंगल	14	
११	बुध	15	मोहिनी एकादशी व्रतम् ।
१२	गुरु	16	
१३	शुक्र	17	श्री नृसिंह जयन्ती व्रतम्। चतुर्थी को क्षय होयवे सूं आज।
१५	शनि	18	

Shreenathji-Nathdwara

वल्लभाब्द ५४२	ज्येष्ठ (गु. वैशाख) कृष्णपक्षः		विक्रमाब्द २०७६
तिथि	वार	दि.	उत्सव
१	रवि	19	इष्टिः।
२	सोम	20	चार स्वरूप को उत्सव ति. श्री दाऊजी महाराज कृत।
३	मंगल	21	कली के शृंगार को आरम्भ।
४	बुध	22	
५	गुरु	23	
६	शुक्र	24	
६	शनि	25	आज सूं लेके ज्येष्ठ शुक्ल ६ तक सूर्य कूं रोहिणी नक्षत्र है तासूं इन दिनन में श्री के अंग में चन्दन धरावनो प्रशस्त है।
७	रवि	26	
८	सोम	27	
९	मंगल	28	
१०	बुध	29	
११	गुरु	30	अपरा एकादशी व्रतम्।
१२	शुक्र	31	
१३	शनि	1	जून।
१४	रवि	2	
३०	सोम	3	सोमवती अमावस्या योग दोपहर ३ बजके ३३ मिनिट तक।

Shreenathji-Nathdwara

तिथि	वार	दि.	उत्सव
१	मंगल	4	इष्टि।
२	बुध	5	
३	गुरु	6	
४	शुक्र	7	श्री के नाव को मनोरथ। पंचमी को क्षय होयवे सुं आज।
६	शनि	8	
७	रवि	9	
८	सोम	10	
९	मंगल	11	
१०	बुध	12	श्री गंगादशमी दशहरा श्री यमुनाजी को उत्सव माने है।
११	गुरु	13	निर्जला एकादशी व्रतम्।
१२	शुक्र	14	
१३	शनि	15	तिलकायित श्री गिरधारीजी महाराज को उत्सव। (१६००)
१४	रवि	16	स्नान को जल भरनो सांझ कूं जल को अधिवासन करनो।
१५	सोम	17	ज्येष्ठाभिषेक (स्नान यात्रा)।

Shreenathji-Nathdwara

वल्लभाब्द ५४२	आषाढ़ (गु. ज्येष्ठ) कृष्णपक्षः		विक्रमाब्द २०७६
तिथि	वार	दि.	उत्सव
१	मंगल	18	इष्टिः।
२	बुध	19	
३	गुरु	20	
४	शुक्र	21	
५	शनि	22	
६	रवि	23	
७	सोम	24	
८	मंगल	25	
९	बुध	26	
१०	गुरु	27	
१०	शुक्र	28	
११	शनि	29	योगिनी एकादशी व्रतम्।
१२	रवि	30	
१४	सोम	1	जुलाई।
३०	मंगल	2	तिलकायित बड़े श्री गिरिधारीजी महाराज श्री उत्सव (१८२५)।

Shreenathji-Nathdwara

वल्लभाब्द ५४२	आषाढ़ शुक्लपक्षः	विक्रमाब्द २०७६

तिथि	वार	दि.	उत्सव
१	बुध	3	इष्टिः।
२	गुरु	4	रथयात्रा।
३	शुक्र	5	
४	शनि	6	
५	रवि	7	श्री द्वारकाधीश जी को पाटोत्सवः।
६	सोम	8	कसूंमा छट। षष्ठी पण्डगू। तिलकायित श्री गोविन्दजी महाराज गादी बिराजे सो उत्सव तथा तिलकायित **श्री इन्द्रदमन जी (श्री राकेश जी)** महाराज गादी बिराजे (२०५७)
८	मंगल	9	
९	बुध	10	
१०	गुरु	11	बैंगन दशमी।
११	शुक्र	12	देवशयनी एकादशी व्रतम्। चातुर्मास्य नियमारम्भः। फली के शृंगार पूर्ण।
१२	शनि	13	
१३	रवि	14	
१४	सोम	15	
१५	मंगल	16	पर्वात्मक उत्सव चातुर्मास्य नियमारम्भः। एकादशी कूं न भयो होय तो द्वादशी अथवा पूर्णिमा के दिन करनो तामे पूर्णिमा मुख्य। खण्डग्रास चन्द्रग्रहण ताको निर्णय पृष्ट (२६-२७) पर लिख्यो है।

Shreenathji-Nathdwara

तिथि	वार	दि.	उत्सव
१	बुध	17	इष्टिः।
२	गुरु	18	हिन्दोलारम्भः।
२	शुक्र	19	
३	शनि	20	
४	रवि	21	श्री चन्द्रगाजी को पाटोत्सवः।
५	सोम	22	
६	मंगल	23	
७	बुध	24	
८	गुरु	25	जन्माष्टमी की बधाई।
९	शुक्र	26	
१०	शनि	27	तिलकायित श्री गोवर्द्धनेश जी महाराज को उत्सव। हाण्डी उत्सव (१७६३)।
११	रवि	28	कामिका एकादशी व्रतम्।
१२	सोम	29	
१३	सोम	30	
१४	मंगल	31	
३०	बुध	1	आगरा, हरियाली अमावरा। इष्टिः।

Shreenathji-Nathdwara

तिथि	वार	दि.	उत्सव
२	शुक्र	2	
३	शनि	3	ठकुरानी तीज मगुसवा।
४	रवि	4	
५	सोम	5	नाग पंचमी।
६	मंगल	6	
७	बुध	7	
८	गुरु	8	
९	शुक्र	9	सात स्वरूप को उत्सव। नित्य लीलास्थ गोस्वामी तिलकायित १०८ श्री गोविन्दलालजी महाराज कृत।
१०	शनि	10	
११	रवि	11	पुत्रदा एकादशी व्रतम्। पवित्रारोपणं उत्थापन में याही दिन सात स्वरूप कूं पवित्रा धरायवे को विशेष उत्सव। नित्य लीलास्थ गोस्वामी तिलकायित १०८ श्री गोविन्दलाल जी महाराज कृत।
१२	सोम	12	गुरुओं को पवित्रा धराना।
१३	मंगल	13	
१४	बुध	14	श्री विट्ठलेशराय जी महाराज को उत्सव (१६५७)। ऋग्वेदीन की श्रावणी।
१५	गुरु	15	रक्षाबन्धनं सायं उत्थापन में ६ बजे पूर्व, गुसांई जी के ज्येष्ठ पुत्र श्री गिरधरजी के लालजी श्री दामोदरजी महाराज को उत्सव (१६३२) आपस्तम्ब हिरण्य केशीय बोधायन काण्व माध्यन्दिन प्रभृति, सर्व यजुर्वेदीन तथा अथर्ववेदीन की श्रावणी।

Shreenathji-Nathdwara

वल्लगाब्द ५४२	भाद्रपद (गु. श्रावण) कृष्णपक्षः		विक्रमाब्द २०७६
तिथि	वार	दि.	उत्सव
१	शुक्र	16	इष्टिः। गोस्वामि तिलकायित श्री १०८ श्री गोवर्द्धनलालजी महाराज को उत्सव (१९१७) (हेम हिन्दोला)।
२	शनि	17	
३	रवि	18	हिन्दोला विजय शृंगार में, कज्जली तीज।
४	सोम	19	
५	मंगल	20	
६	बुध	21	
६	गुरु	22	
७	शुक्र	23	शयन में षष्ठी को उत्सव। विष्णुस्वामि प्राकट्योत्सव।
८	शनि	24	जन्माष्टमी व्रतम्।
९	रवि	25	नन्द महोत्सव।
१०	सोम	26	
१२	मंगल	27	अजा एकादशी व्रतम्।
१३	बुध	28	
१४	गुरु	29	काका वल्लभजी को उत्सव (१७०३)।
३०	शुक्र	30	कुशग्रहणी अमावस, राधाष्टमी की बधाई।

Shreenathji-Nathdwara

वल्लभाब्द ५४२	भाद्रपद शुक्लपक्ष	विक्रमाब्द २०७६

तिथि	वार	दि.	उत्सव
१	शनि	31	इष्टिः।
२	रवि	1	सितम्बर, सामवेदीन की श्रावणी।
४	सोम	2	गणेश चतुर्थी
५	मंगल	3	ऋषि पंचमी। द्वितीय स्वरूपोत्सव।
६	बुध	4	ति. श्री विट्ठलेशजी महाराज को उत्सव (१७४४)।
७	गुरु	5	
८	शुक्र	6	राधाष्टमी।
९	शनि	7	
१०	रवि	8	
११	सोम	9	परिवर्तिनी एकादशी व्रतम् (दान एकादशी) नवलक्ष ग्रंथकर्त्ता श्री पुरुषोत्तमजी महाराज को उत्सव (१७१४)
१२	मंगल	10	वामन द्वादशी।
१३	बुध	11	
१४	गुरु	12	
१४	शुक्र	13	
१५	शनि	14	सांझी को आरम्भ। श्राद्धपक्ष को आरम्भ ताको निर्णय पृष्ठ २८ पर एवं श्राद्धपक्ष को संकल्प पृष्ठ २९ पर लिख्यो है। इष्टिः।

Shreenathji-Nathdwara

तिथि	वार	दि.	उत्सव
१	रवि	15	
२	सोम	16	
३	मंगल	17	
४	बुध	18	
५	गुरु	19	श्री हरिरायजी को उत्सव (१६४७)
६	शुक्र	20	
७	शनि	21	
८	रवि	22	श्री महाप्रभुजी के ज्येष्ठ पुत्र श्री गोपीनाथजी के पुत्र श्री पुरुषोत्तमजी को उत्सव (१५८७)।
९	सोम	23	
१०	मंगल	24	
११	बुध	25	इन्दिरा एकादशी व्रतम् (गऊदान)।
१२	गुरु	26	श्री महाप्रभुजी के ज्येष्ठ पुत्र श्री गोपीनाथजी को उत्सव (१५६७)
१३	शुक्र	27	श्री गुसांईजी के तीसरे लाल जी श्री बालकृष्णजी को उत्सव (१६०६)
३०	शनि	28	सर्वपितृ अमावस, कोट की आरती और सांझी की समाप्ति।

Shreenathji-Nathdwara

वल्लभाब्द ५४२	आश्विन शुक्लपक्षः		विक्रमाब्द २०७६
तिथि	वार	दि.	उत्सव
१	रवि	29	इष्टिः। नवरात्रारम्भः, मातामह श्राद्ध।
२	सोम	30	
३	मंगल	1	अक्टूबर।
४	बुध	2	श्री दामोदरजी (श्री दाऊजी) महाराज को उत्सव (दुहेरा मनोरथ) (१६५४)।
५	गुरु	3	
६	शुक्र	4	
७	शनि	5	सरस्वती पूजनारम्भः।
८	रवि	6	
९	सोम	7	दशहरा (विजयादशमी)।
१०	मंगल	8	सरस्वती विसर्जनम्। श्री गिरधरजी के प्रथम लालजी श्री मुरलीधरजी को उत्सव।
११	बुध	9	पाशांकुशा एकादशी व्रतम्।
१२	गुरु	१०	
१३	शुक्र	11	श्री बालकृष्णजी को पाटोत्सवः।
१४	शनि	12	
१५	रवि	13	शरद पूर्णिमा (रासोत्सवः)। कार्तिक स्नानारम्भः।

Shreenathji-Nathdwara

वल्लभाब्द ५४२	कार्तिक (गु. आश्विन) कृष्णपक्षः		विक्रमाब्द २०७६
तिथि	वार	दि.	उत्सव
१	सोम	14	इष्टिः।
२	मंगल	15	
३	बुध	16	
४	गुरु	17	
४	शुक्र	18	
५	शनि	19	
६	रवि	20	
७	सोम	21	
८	मंगल	22	
१०	बुध	23	
११	गुरु	24	रमा एकादशी व्रतम्।
१२	शुक्र	25	
१३	शनि	26	धनतेरस।
१४	रवि	27	रूप चतुर्दशी (अभ्यंग), दीपावली (दीपोत्सव) हटड़ी (गोकर्ण जागरणम्) काल जगाई।
३०	सोम	28	सोमवती अमावस योग प्रातः ६ बजके १० मिनिट तक, अन्नकूटोत्सव। गोवर्द्धन पूजा। गुर्जराणां २०७६ वर्षारम्भः। इष्टिः।

Shreenathji-Nathdwara

वल्लाब्द ५४२	कार्तिक शुक्लपक्षः		विक्रमाब्द २०७६
तिथि	वार	दि.	उत्सव
२	मंगल	29	यम द्वितीया (भाईदूज)।
३	बुध	30	
४	गुरु	31	
५	शुक्र	1	नवम्बर।
६	शनि	2	
७	रवि	3	श्री नवनीत प्रभु को व्रज में पधरावने को विशेष उत्सव। गो.ति. १०८ श्री इन्द्रदमन जी (श्री राकेश जी) महाराज कृत (२०६३)।
८	सोम	4	गोपाष्टमी।
९	मंगल	5	अक्षय नवमी। कृत युगादि कूष्माण्ड दानम्।
१०	बुध	6	
११	गुरु	7	
१२	शुक्र	8	प्रबोधिनी एकादशी व्रतम् देवोत्थापनं सायं संध्या में।
१३	शनि	9	श्री गुसांईं जी के प्रथम लालजी श्री गिरधरजी को उत्सव (१५६७) तथा पंचमलाल जी श्री रघुनाथजी को उत्सव (१६११)।
१४	रवि	10	
१५	सोम	11	ति. श्री गोविन्दजी महाराज को उत्सव (१८७६)।
१६	मंगल	12	चार स्वरूप को उत्सव। नित्य लीलास्थ गोस्वामी तिलकायित श्री १०८ श्री गोविन्दलाल जी महाराज कृत चातुर्मास्य तथा कार्तिक के नियम की समाप्ति। गोपमासारम्भः।

Shreenathji-Nathdwara

Shreenathji-Nathdwara

वल्लभाब्द ५४२	मार्गशीर्ष (गु. कार्तिक) कृष्णपक्षः		विक्रमाब्द २०७६
तिथि	वार	दि.	उत्सव
१	बुध	13	व्रतचर्या अथवा गोपमासारम्भः। इष्टिः।
२	गुरु	14	
३	शुक्र	15	
४	शनि	16	ह: स्वरूप को उत्सव। तिलकायित श्री दाऊजी महाराज कृत।
५	रवि	17	
६	सोम	18	
७	मंगल	19	गो.ति. १०८ श्री गोविन्दलालजी महाराज को उत्सव (१६८४)
८	बुध	20	श्री गुसांई जी के दूसरे लालजी श्री गोविन्दरायजी को उत्सव (१५६६)।
९	गुरु	21	
१०	शुक्र	22	घटा को आरम्भ (हरिघटा)।
१२	शनि	23	उत्पत्ति एकादशी व्रतम्। श्री नवनीत प्रभु कूं व्रज सूं नाथद्वारा निजमंदिर में पधरायवे को उत्सव। गो.ति. १०८ श्री इन्द्रदमनजी (श्री राकेशजी) महाराज कृत (२०६३)।
१३	रवि	24	श्री गुसांईजी के सातवे लालजी श्री घनश्यामजी को उत्सव (१६२८)
१४	सोम	25	
३०	मंगल	26	श्यामघटा।

वल्लभाब्द ५४२	मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः	विक्रमाब्द २०७६

तिथि	वार	दि.	उत्सव
१	बुध	27	इष्टिः।
२	गुरु	28	दूज को चन्दा।
३	शुक्र	29	
४	शनि	30	
५	रवि	1	दिसम्बर। श्री मदनमोहनजी को पाटोत्सव।
६	सोम	2	
७	मंगल	3	श्री गुसांईजी के चतुर्थ लालजी श्री गोकुलनाथजी को उत्सव (१६०८)।
८	बुध	4	सातस्वरूप को उत्सव। श्री गोवर्द्धनेशजी महाराज कृत।
९	गुरु	5	श्री गुसांईजी के उत्सव की बधाई (लालघटा)।
१०	शुक्र	6	
११	शनि	7	
११	रवि	8	मोक्षदा एकादशी व्रतम्।
१२	सोम	9	
१३	मंगल	10	
१४	बुध	11	
१५	गुरु	12	छप्पन भोग बलदेवजी को उत्सव कितनेक माने है। गोपमास की समाप्ति। इष्टिः

Shreenathji-Nathdwara

तिथि	वार	दि.	उत्सव
१	शुक्र	13	नित्य लीलास्थ गोस्वामि तिलक श्री १०८ श्री दाऊजी (श्री राजीवजी) महाराज को उत्सव (२००५)।
२	शनि	14	
३	रवि	15	
५	सोम	16	धनुर्मासारम्भः।
६	मंगल	17	
७	बुध	18	श्री गुसांईजी के ज्येष्ठ पौत्र श्री गोविन्दजी के पुत्र श्री कल्याणरायजी को उत्सव (१६२५)।
८	गुरु	19	
९	शुक्र	20	श्री महाप्रभुचरण श्री विठ्ठलनाथजी को उत्सव (१५७२)।
१०	शनि	21	
११	रवि	22	सफला एकादशी व्रतम्। फल अवश्य भोग धरनो, फलन के दान अवश्य करनो। तिलकायित श्री गोविन्दजी महाराज को उत्सव (१७६६)।
१२	सोम	23	
१३	मंगल	24	
१४	बुध	25	
३०	गुरु	26	गोस्वामि तिलक श्री १०८ श्री इन्द्रदमनजी (श्री राकेशजी) महाराज के पुत्र चि.गो. श्री भूपेशकुमारजी (श्री विशाल बाबा) को जन्मदिन (२०३७)। इष्टिः। खण्डग्रास सूर्यग्रहण नाथद्वारा में दृश्य। ताको निर्णय पृष्ठ ३०-३१ पर अंकित है। इष्टिः।

f Shreenathji-Nathdwara

वल्लभाब्द ५४२	पौष शुक्लपक्षः		विक्रमाब्द २०७६
तिथि	वार	दि.	उत्सव
१	शुक्र	27	
२	शनि	28	
३	रवि	29	
४	सोम	30	
५	मंगल	31	
६	बुध	1	जनवरी सन् २०२०, नित्य लीलास्थ गो. श्री १०८ श्री दामोदरलाल जी महाराज को उत्सव (१९५३)।
७	गुरु	2	
८	शुक्र	3	
९	शनि	4	
१०	रवि	5	
११	सोम	6	पुत्रदा एकादशी व्रतम्।
१२	मंगल	7	
१३	बुध	8	
१४	गुरु	9	
१५	शुक्र	10	माघ स्नानारम्भः।

Shreenathji-Nathdwara

वल्लाब्द ५४२	माघ (गु. पौष) कृष्णपक्षः	विक्रमाब्द २०७६

तिथि	वार	दि.	उत्सव
१	शनि	11	इष्टिः।
२	रवि	12	
३	सोम	13	
४	मंगल	14	भोगी, धनुर्मास की समाप्ति।
५	बुध	15	मकर संक्रान्तिः। तिलया गोपी वल्लभ अथवा राजभोग में ता पीछे दान श्राद्धादि करनो। अबके यह संक्रान्ति ४ मंगल कू रात्रि के २ बजके ६ मिनिट पर बैठे है ता सूं पुण्यकाल आज सूर्योदय से लेके दिन के ३ बजके २३ मिनिट पर्यन्त है। तामे भी सूर्योदय के पास के २ घण्टा अति मुख्य पुण्यकाल है। उत्तरायण।
६	गुरु	16	पीली घटा।
७	शुक्र	17	बड़े दामोदरजी (श्री दाऊजी) महाराज को उत्सव (१७११) अष्टमी को क्षय होयवे सूं आज।
८	शनि	18	
१०	रवि	19	
११	सोम	20	षट्तिला एकादशी व्रतम्। तिल की वस्तु अवश्य भोग धरनो। तिल के दान भक्षणादि करने।
१२	मंगल	21	
१३	बुध	22	
१४	गुरु	23	
३०	शुक्र	24	

Shreenathji-Nathdwara

वल्लभाब्द ५४२	माघ शुक्लपक्षः	विक्रमाब्द २०७६

तिथि	वार	दि.	उत्सव
१	शनि	25	इष्टिः।
२	रवि	26	
३	सोम	27	
४	मंगल	28	
५	बुध	29	श्री मुकुन्दरायजी को पाटोत्सवः।
६	गुरु	30	वसन्त पंचमी।
७	शुक्र	31	
८	शनि	1	फरवरी।
९	रवि	2	
१०	सोम	3	
११	मंगल	4	
१२	बुध	5	जया एकादशी व्रतम्।
१३	गुरु	6	
१४	शुक्र	7	
१५	शनि	8	
१६	रवि	9	माघ स्नान की समाप्ति। होरी डांडो दण्डारोपण, आज सूर्योदय सूं पूर्व याही समय धमार को आरम्भ, रोपणी को उत्सव। इष्टिः।

Shreenathji-Nathdwara

वल्लाब्द ५४२	फाल्गुन (गु. माघ) कृष्णपक्षः		विक्रमाब्द २०७६
तिथि	वार	दि.	उत्सव
१	सोम	10	
३	मंगल	11	
४	बुध	12	
५	गुरु	13	
६	शुक्र	14	
७	शनि	15	श्रीनाथजी को पाटोत्सवः।
८	रवि	16	
९	सोम	17	
१०	मंगल	18	
११	बुध	19	विजया एकादशी व्रतम्।
१२	गुरु	20	
१३	शुक्र	21	
१४	शनि	22	
३०	रवि	23	

Shreenathji-Nathdwara

वल्लभाब्द ५४२	फाल्गुन शुक्लपक्षः		विक्रमाब्द २०७६
तिथि	वार	दि.	उत्सव
१	सोम	24	इष्टिः।
२	मंगल	25	
३	बुध	26	
४	गुरु	27	
५	शुक्र	28	
६	शनि	29	
६	रवि	1	मार्च।
७	सोम	2	श्री मथुरेशजी को पाटोत्सवः। श्री गोस्वामी तिलकायित १०८ श्री इन्द्रदमनजी (श्री राकेशजी) महाराज को जन्मदिन (२००६)
८	मंगल	3	होलिकाष्टकारम्भः।
९	बुध	4	
१०	गुरु	5	
११	शुक्र	6	आमलकी (कुंज) एकादशी व्रतम्।
१२	शनि	7	
१४	रवि	8	
१५	सोम	9	होली, होलिका प्रदीपनं सूर्यास्तान्तर सायं ६ बजके ४० मिनिट पश्चात्।

Shreenathji-Nathdwara

वल्लभाब्द ५४२	चैत्र (गु. फाल्गुन) कृष्णपक्षः		विक्रमाब्द २०७६
तिथि	वार	दि.	उत्सव
१	मंगल	10	इष्टिः। धूलिवन्दन (धुरेण्डी) दोलोत्सव (डोल)।
२	बुध	11	द्वितीया पाट।
३	गुरु	12	
४	शुक्र	13	
६	शनि	14	
७	रवि	15	
८	सोम	16	
९	मंगल	17	
१०	बुध	18	
११	गुरु	19	
१२	शुक्र	20	पापमोचिनी एकादशी व्रतम्।
१२	शनि	21	
१३	रवि	22	
१४	सोम	23	
३०	मंगल	24	वर्षे हर्षः प्रकर्षः स्यात्।

Shreenathji-Nathdwara